Sociology
Paper - II

D-II(H)

Q. संयुक्त परिवार के विघटन के कारणों का उल्लेख करें?

संयुक्त परिवार के विघटन के कारकों का वर्णन करने के पहले चन्द शब्दों में पारिवारिक विघटन का अर्थ बताना अवश्यसंभावी प्रतीत होता है। पारिवारिक विघटन की अवधारणा का वर्णन विभिन्न विद्वानों ने भिन्न-2 अर्थों में किया है। Elliott & Merrill के अनुसार, विस्तृत अर्थों में पारिवारिक विघटन परिवार के कार्य में किसी भी प्रकार के असामंजस्य को कहा जा सकता है। इसका मतलब कि पारिवारिक असामंजस्य या तनाव की स्थिति पारिवारिक विघटन की स्थिति का सूचक है। साथ ही Newmeyer के अनुसार पारिवारिक चेतना का समाप्त हो जाना और खराब या अलगाव का विकास पारिवारिक विघटन के लक्षण है। Newmeyer के अनुसार जब परिवार के सदस्यों के बिच पूर्व स्थापित सम्बन्ध टूट जाते हैं, तो प्रकार्यात्मक सम्बन्ध भी बिखर जाता है और सामंजस्य समाप्त हो जाता है। फलस्वरूप पारिवारिक विघटन की स्थिति उत्पन्न होती है। पारिवारिक विघटन केवल पति-पत्नी के बीच तनाव की स्थिति का ही द्योतक नहीं है; बल्कि परिवार में किन्ही भी सदस्यों के बीच उत्पन्न तनाव पारिवारिक विघटन का सूचक है। कुछ लोग पारिवारिक विघटन को पृथकरण, परित्याग, विवाह विच्छेद, परिवार की सहायता न करना और शारीरिक हिंसा जैसी अभिव्यक्तियों के शब्द में सोचते है। जब हम संयुक्त परिवार के विघटन की चर्चा करते है तब मुख्य रूप से हमारा सम्बन्ध संयुक्त परिवारों के Nuclear families में परिवर्तन

Scanned with CamScanner

की प्रक्रिया से होता है। आज संयुक्त परिवार तीव्रता से छोटे व्यक्तित्व परिवारों में परिवर्तित हो रहा है। मुख्य रूप से संयुक्त परिवार के छोटे-छोटे व्यक्तिगत परिवारों में परिवर्तन की स्थिति ही संयुक्त परिवारों का विघटन कहा जा सकता है। इन संयुक्त परिवारों का छोटे-छोटे व्यक्तिगत परिवारों में परिवर्तन बिना किसी कारण के नहीं हो रहा है। अर्थात् संयुक्त परिवारों के विघटन के लिए कुछ कारण जिम्मेदार हैं जो निम्नलिखित हैं :-

(1) Industrialization (औद्योगीकरण) → संयुक्त परिवार के विघटन का पहला प्रमुख कारक है। Industrialization ने भिन्न-2 रूपों में संयुक्त परिवार का विघटन किया है। पहली बात तो यह है कि Industrialization ने विभिन्न पेशों को उत्पन्न किया। पेशों में वेतन के आकर्षण ने ग्रामीण लोगों को अपनी ओर आकृष्ट किया। गाँव से औद्योगिक केंद्रों में आये हुये व्यक्तियों का सम्पर्क अपने संयुक्त परिवार के सदस्यों के साथ धीरे-धीरे कम होने लगा। परिवार के सदस्यों में एक-दूसरे के प्रति बेईमानी की भावना उत्पन्न होने लगी। यह भावना चरम सीमा पर पहुँचकर पारिवारिक विघटन की स्थिति उत्पन्न करने लगी। दूसरी बात यह है कि इन Industrialization ने ग्रामीण उद्योग-धंधों को नष्ट करके भी पारिवारिक विघटन की स्थिति उत्पन्न करने में योगदान दिया है। Industrialization के विकास के साथ ग्रामीण उद्योग-धंधे समाप्त होने लगे फलस्वरूप गाँव में बेकारी की स्थिति उत्पन्न हुयी। ग्रामीण बेकार कारीगर

नौकरी की खोज में अपने गाँव से संयुक्त परिवार को छोड़कर औद्योगिक क्षेत्रों में आकर बसने को बाध्य हुये। एक तरफ उद्योग-धंधों में कार्य करने वाले कारीगर यह समझने लगे कि हम अपनी self earning से अपने व्यक्तिगत परिवार के सदस्यों का भरण-पोषण करते हैं और हमारी घर गृहस्थी की आय का लाभ परिवार के अन्य सदस्य उठा सके। ऐसी स्थिति में जब कभी भी वे परिवार से आमदनी के हिस्से की माँग करते हैं तो परिवार विघटन हो जाता है। तीसरे रूप में industrialisation ने urban environment उत्पन्न करके भी संयुक्त परिवार के विघटन में योगदान दिया है। industrialisation के साथ-2 नगरों की संख्या में वृद्धि होने लगी। शहरों के पर्यावरण ने विभिन्न लोगों में ग्रामीण व्यक्तियों को आकर्षित किया और धीरे-2 उनमें नगरीय विशेषताओं की वृद्धि होने से संयुक्त परिवार विघटित होने लगे। चौथे रूप में industrialisation ने स्त्रियों के लिये नौकरी का अवसर उपलब्ध कराकर भी संयुक्त परिवार के विघटन में योगदान दिया है। industrialisation के फलस्वरूप स्त्रियों के लिए भी नौकरी के अनेक अवसर उपलब्ध हो गये। स्त्रियों को नौकरी का अवसर प्राप्त होने के कारण उनकी परिवार पर आर्थिक निर्भरता कम हो गयी और उनके अन्दर filing of self-dependence उत्पन्न हुआ। स्त्रियों के अन्दर self-dependence की भावना ने उनमें जागरूकता की वृद्धि करने में योगदान दिया और स्त्रियों ने इस रूढ़िवादी व्यवस्था संयुक्त परिवार के विरुद्ध प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष विरोध किया।

Scanned with CamScanner

फलस्वरूप संयुक्त परिवार विघटित होने लगा। इसतरह industrialization ने नगद मजदूर प्रणाली को लागू करके, मकानों की समस्या को उत्पन्न करने और धन के महत्व तथा व्यक्तिगत योग्यता पर अधिक बल देकर भी संयुक्त परिवार के विघटन की स्थिति उत्पन्न करने में योगदान दिया।

② Over population (जनसंख्या वृद्धि) → Malthus ने जनसंख्या की वृद्धि सम्बन्धी विचार को आज सही नहीं माना जा रहा है, फिर भी इस बात को हरेक व्यक्ति स्वीकार करता है कि भारत जनसंख्या की वृद्धि की समस्या का शिकार है। भारत में परिवार नियोजन कार्यक्रम को सफल बनाने का सरकार की प्रयत्न भी ऊपर लिखित तथ्य की पुष्टि है। जनसंख्या की वृद्धि के कारण गाँवों में भूमि दबाव दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। फलस्वरूप कृषि द्वारा अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करना शेष रह गया है। गाँवों की बढ़ती हुयी जनसंख्या समस्या ने ग्रामीण व्यक्तियों को गाँव छोड़कर शहरों, औद्योगिक क्षेत्रों में जाने के लिए मजबूर किया। फलस्वरूप संयुक्त परिवार की स्थिरता को बहुत आघात पहुँचा और संयुक्त परिवार विघटित होने लगे।

③ Development of the means of transport (यातायात साधनों का विकास) → यातायात के साधनों के विकास के कारण ग्रामीण लोग का शहरी एवं औद्योगिक क्षेत्रों से सम्बन्ध बढ़ गया है। physical distance की अवधारणा अर्थहीन हो गई। यातायात के साधनों के विकास के कारण एक व्यक्ति के लिए अपने परिवार से बहुत दूर रहकर भी कार्य करना संभव हो गया।

Scanned with CamScanner

गाँव से दूर स्थित शहरों एवं औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने वाले व्यक्तियों का अपने ग्रामीण परिवार के साथ सम्पर्क moneyorder और चिट्ठी-पत्री तक ही सीमित हो गया। पुराने पारिवारिक सम्बन्ध धीरे-धीरे परिवर्तित होने लगे और इस तरह यातायात के साधनों में उन्नति के कारण भी संयुक्त परिवार विघटित होने लगी।

(4) Impact of Western culture & education → यह कहना अनुचित नहीं प्रतीत होता है कि संयुक्त परिवारों के स्थायित्व का आधार पारस्परिक सद्भावना और त्याग था। Western culture & education के प्रभाव के कारण भारतवासी अपने त्याग और पारस्परिक सद्भावना के प्राचीन आदर्श से विमुख होने लगे। लोग अपने कर्तव्य से बढ़कर अधिकार को महत्व देने लगे जो कि स्वतः ही संयुक्त परिवार को विघटन करने वाला तत्व है। दूसरी ओर Western culture of education ने हमारे सम्मुख एक अन्य नया आदर्श प्रस्तुत किया। इस नये आदर्श के अनुसार Western culture & Education में पले हुये व्यक्ति छोटे से छोटे परिवार को ही आदर्श परिवार समझने लगे। फलस्वरूप संयुक्त परिवार के प्रति अश्रद्धा की भावना पनपने लगी और संयुक्त परिवार विघटित होने लगा। आज हमारे समाज की सम्पूर्ण शिक्षा-प्रणाली Westernized हो गयी है और भारत में शिक्षा पाने वाले युवक और युवतियों की संख्या भी दिनों-दिन बढ़ रही है। पाश्चात्य विचारों पर आधारित हमारी शिक्षा-प्रणाली ने शिक्षित युवकों और युवतियों के अन्दर व्यक्तिवादिता और पारिवारिक स्वतंत्रता का विचार उत्पन्न कर संयुक्त परिवार के संगठन को काफी हद तक धक्का पहुँचाया है। अतः निरीक्षण से Impact

Scanned with CamScanner

of Western Culture & education संयुक्त परिवार के विघटन का एक कारक कहा जा सकता है।

(5) Feminist movement → संयुक्त परिवार के पर्यावरण में पलने वाली स्त्रियाँ अमानवीय व्यवहार को अपना भाग्य समझकर सहन करती थी। उनके अन्दर आर्थिक आत्म-निर्भरता और अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता की कमी पायी जाती थी। किंतु स्त्रियों में शिक्षा का प्रचार और महिला आन्दोलनों के प्रयास के फलस्वरूप जागरूकता की वृद्धि होने लगी। फलस्वरूप स्त्रियां पुरुषों के मनमाने शोषण और अमानवीय व्यवहार को अपना भाग्य समझकर चुपचाप सहन करने की जगह मानोचित अधिकारों की माँग करने लगी। जब शिक्षा का प्रसार विशेष हुआ तब महिला आन्दोलन और भी जोर पकड़ने लगे तब स्वतंत्रता में सांस लेने के लिये व्याकुल हो उठी। Equal Right की माँग करने लगी। स्त्रियों की इस स्थिति से यह संभव नही रह गया है कि संयुक्त परिवारों का परम्परागत रूप स्थायी रह सके। एक तरफ संयुक्त परिवार के आदर्श स्त्रियों के शोषण के पक्ष थे तो दूसरी तरफ महिला आन्दोलनों का आदर्श उन्हे Equal Rights प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। फलस्वरूप स्त्रियों के लिए संयुक्त परिवारों से सम्बन्ध-विच्छेद कर लेना असंभव न रह सका। इस तरह स्त्रियों में शिक्षा की वृद्धि और महिला आन्दोलन भी संयुक्त परिवार के विघटन के प्रमुख कारक सिद्ध होते है।

(6) Passing of legislations related rights of individuals → संयुक्त परिवार के विघटन में New acts के महत्व की चर्चा करते हुये R.K. Mu-

Kharjee ने अपनी पुस्तक Principals of Bampardini Economics में लिखा है 'संयुक्त परिवार वर्तमान समय में न्यायालयों द्वारा प्रोत्साहित की जानेवाली व्यक्तिवादी प्रवृत्तियों का शिकार बन रहा है।" इसी तरह K.M. Kapadiya ने भी संयुक्त परिवार के विघटन में New acts के प्रभावों के महत्व को स्वीकार किया और अपनी पुस्तक 'Marriage & Family in India' में इसका वर्णन किया है। पहले किसी भी व्यक्ति को परिवार छोड़ने की स्थिति में सम्पत्ति में किसी प्रयास नहीं होता था। इसलिए आर्थिक विपन्नता की स्थिति से बचने के उद्देश्य से सभी सदस्य परिवार से बँधे रहते थे किंतु Hindu Succession 1929 के द्वारा प्रत्येक सदस्य को संयुक्त परिवार छोड़ने पर सम्पत्ति में हिस्सा लेने का अधिकार प्राप्त हुआ। इस act ने लोगों के अलग रहने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने में बहुत हद तक योगदान दिया। इसी तरह Hindu Women's Right to Property Act - 1939 में स्त्रियों को संयुक्त परिवार की सम्पत्ति में कुछ आर्थिक अधिकार प्राप्त कराकर उनमें जागरूकता की वृद्धि करने में योगदान दिया। स्त्रियों की यह जागरूकता संयुक्त परिवार के विघटन की प्रक्रिया को बढ़ावा देने में बहुत हद तक सहायक सिद्ध हुयी है। इसी तरह Special act 1954, Hindu Marriage & Family act - 1955, Hindu minority & guardenship 1956 तथा Dowry prohibition act 1961 विभिन्न रूपों में संयुक्त

Scanned with CamScanner

परिवार की स्थिरता को धक्का पहुँचाया। इन सभी अधिनियमों के परिणाम स्वरूप संयुक्त परिवारों का विघटन तेजी से होने लगा। संयुक्त परिवार के विघटन के कुछ अन्य कारकों की भी चर्चा की जा सकती है जिनमें Urbanization & Housing Problems, general property & reduction of function इत्यादि प्रमुख है।

S. N. Choudhary
1
L. N. M. U